भांड देवरा मंदिर का जीर्णोद्धार

चर्चा में क्यों?

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) राजस्थान के बारां ज़िले में स्थित 10वीं शताब्दी के **भांड देवरा मंदिर का जीर्णोद्धार करने जा रहा है,** जिसे अक्सर राज्य का "मिनी खजुराहो" कहा जाता है।

मुख्य बिंदु

- **स्थापत्य शैली और स्थान:**

  - **बारां ज़िले में रामगढ़ नदी के तट पर स्थित** भांड देवरा मंदिर विशिष्ट नागर स्थापत्य शैली **में निर्मित है।**
  - खजुराहो के मंदिरों से इसकी **समानता** अद्भुत है, जिसके कारण इसे **"राजस्थान का छोटा खजुराहो" उपनाम दिया गया है।**

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और संरक्षण:**
  - **यह मंदिर मूलतः नागवंशी राजा मलय वर्मा** द्वारा विजय स्मारक के रूप में बनवाया गया था।
  - 1162 ई. में इसे पुनः संरक्षण प्राप्त हुआ, जब मेडा वंश (Meda dynasty) के राजा तृष्णा वर्मा ने इसके जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया।
- **विरासत की उपेक्षा और क्षति:**
  - वर्षों की उपेक्षा और उदासीनता के कारण मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया है, जर्जर संरचना और चोरी हुई मूर्तियों के कारण इसकी समृद्ध विरासत नष्ट हो गई है।
- **एक भूवैज्ञानिक और सांस्कृतिक आश्चर्य:**
  - समीपवर्ती **रामगढ़ क्रेटर**, जो लगभग **16.5 करोड़ वर्ष पूर्व** एक **ग्रह-उल्का (asteroid)** के टकराव से बना था, भारत की **दुर्लभ भू-विरासत स्थलों** में से एक है।
  - यह एक **ग्रह-उल्का प्रहार क्रेटर** है, जिसका **व्यास 3.5 किमी.** है और यह **विंध्य शृंखला** के **कोटा पठार** में स्थित है, जो **राजस्थान** के **बारां ज़िले** के **रामगढ़ गाँव** के पास स्थित है।
  - यह भारत का **आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त तीसरा क्रेटर** है, जिसका आकार **मध्य प्रदेश** में स्थित **14 किमी. व्यास वाला धाला**

क्रेटर और **महाराष्ट्र** में स्थित **1.8 किमी. व्यास वाला लोनार क्रेटर** के बीच है।

नागर या उत्तर भारतीय मंदिर शैली

- **परिचय:**
  - उत्तरी भारत में सामान्यतः पाए जाने वाले नागर शैली के मंदिरों की पहचान एक वक्रीय मीनार (शिखर), गर्भगृह (Sanctorum) और स्तंभयुक्त हॉल (मंडप) से होती है।
  - ये मंदिर आमतौर पर एक ऊँचे पत्थर के मंच (जगती) पर बनाए जाते हैं, जिसमें प्रवेश के लिये सीढ़ियाँ बनी होती हैं।
  - नागर मंदिर की भूमि योजना आमतौर पर वर्गाकार या आयताकार होती है, जिसमें चार भुजाएँ होती हैं।
- **शिखर (वक्रीय मीनार):**
  - प्रारंभिक नागर मंदिरों में एक ही शिखर होता था, लेकिन बाद के मंदिरों में प्रायः अनेक शिखर होते थे।
- **गर्भगृह (पवित्र स्थान):**
  - सबसे ऊँचे शिखर के ठीक नीचे स्थित गर्भगृह में मुख्य देवता का निवास है।
  - यह मंदिर के आध्यात्मिक मूल का प्रतिनिधित्व करता है और अक्सर विस्तृत अलंकरण से रहित होता है, जो आंतरिक पवित्रता को दर्शाता है।
- **जगती और पीठा:**
  - नागर मंदिर एक ऊँचे मंच पर स्थित होते हैं जिसे जगती के नाम से जाना जाता है, जो मंदिर को भौतिक और प्रतीकात्मक दोनों रूप से ऊँचा उठाता है।
- **अधिष्ठान (आधार मंच):**
  - पीठ और जगती के ऊपर अधिष्ठान होता है, जो आधार मंच है, जिस पर अधिरचना (मंदिर का शिखर और दीवारें) का निर्माण किया जाता है।

खजुराहो मंदिर

- चंदेल राजवंश द्वारा 10वीं और 11वीं शताब्दी में निर्मित ये मंदिर समूह स्थापत्य कला और मूर्ति कला का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।
- नागर शैली में बने यहाँ के मंदिरों की संख्या अब केवल 20 ही रह गई है, जिनमें **कंदरिया महादेव का मंदिर** विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- **धार्मिक संबंध**: यहाँ के मंदिर दो धर्मों- **जैन और हिंदू** से संबंधित हैं।
- **विश्व धरोहर स्थल**: इन्हें वर्ष 1986 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण:

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) **संस्कृति मंत्रालय** के तहत देश की **सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन** है।
- यह 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसके कार्यों में **पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज एवं उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव करना** आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना वर्ष 1861 में **ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम** ने की थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को **"भारतीय पुरातत्त्व के जनक"** के रूप में भी जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/restoration-of-bhaand-deora-temple